THE INSTITUTE FOR ADVANCED STUDIES OF WORLD RELIGION

FILM—STRIP NO. MBB—1971— 290-159

BUDDHIST SANSKRIT MANUSCRIPTS

IASWR

MICROFILM PROJECT MBB - II

MBB - 1973- 290
1. Film strip number

70
2. Source

TANTRIC CHIKITSĀ
3. Title

4. Additional titles, shortened forms of title, etc.

N.S. + 880 = A.D.
5. Year in which MS was copied (Nepali Samvat and Christian Era)

6. Name of Scribe

NEPALI PAPER
7. Material (Palm leaf, etc.)

NEWĀRĪ
8. Script

19 cm. x 9 cm.
9. Size

7
10. Lines to a page

44
11. Number of leaves in complete work

12. Missing leaves

13. Author and Date of composition (if given)

14. Number of Chapters

Tantric medicinal practices
15. Remarks

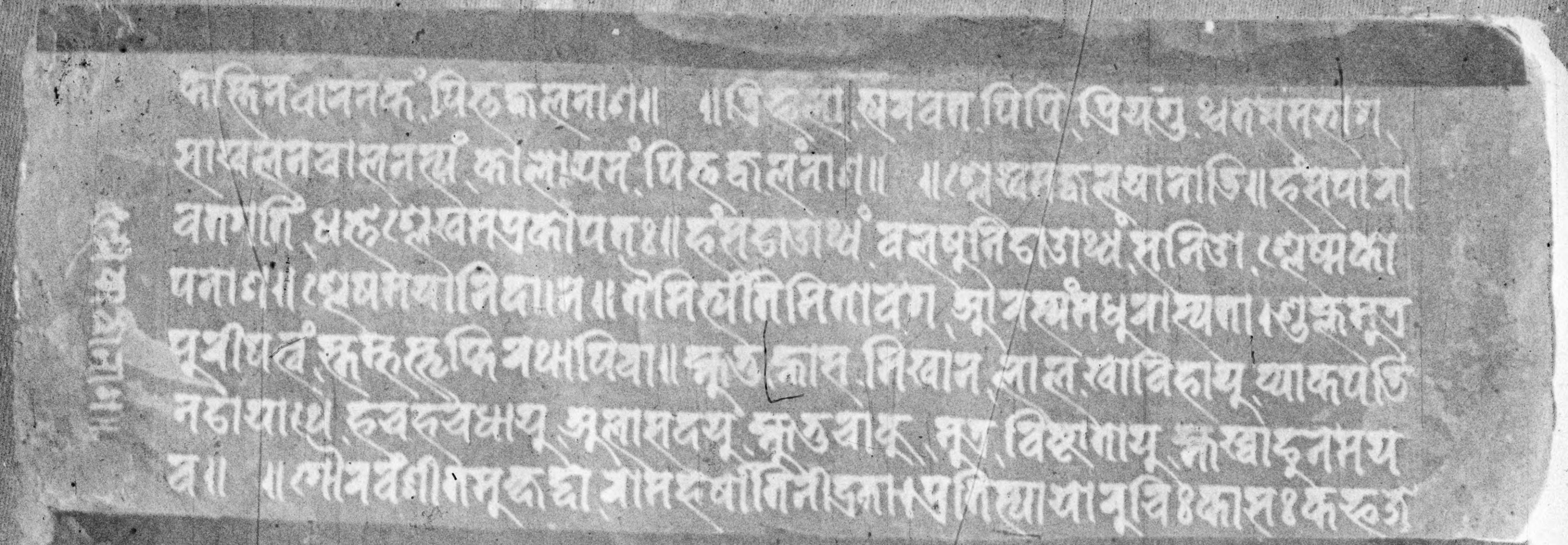

वायाकालजाता वातपित्तजालयालक्षणस्थिति॥ ॥वातपित्तयाधिकित्सा॥ जरा
लता शुंठि बाल नक्तमाल मूल खोयल छिछिगानमंस शक्ल वास्यीगड वा
तपित्त नाशा ॥विलिसि पित्तला प्रयंग पिपि लवंलाव जिलि वंगलोव शु
द्याल मूल साखल समरोग कस्तिलोलनर्क वातपित्तनाश॥ ॥सक्त खालि पिपि
शुंठि सर्ज वे शुलायक योगक वृस्तिमिल शुंठ्याद मंस शु साखलीमंस शु कस्तिनवान
नस्यं वातपित्तनाश॥ ॥मूल खडसारुल लशाद पिपि समरोग कस्तिनवालनस्य
प्रतिकनाश॥ ॥वंगलोयवमंस मूलकंदमंस लशालाव मंस शुलाय मंस

पिपिसंङ्ग पासक सँघ सारवय कर्म १ कस्तिनवाचनकं वागपिकनाडगा ॥ लडौं
लाय शुभ्याच पासक पिकउ जिस्वात थेमकउ पुक्कमार्सु समरोग कस्तिने
यालनकं वागपिकनाडगा ॥ यावाल उस्कलको सारव थीखउ ॥ कस्तिमिजि खुजय
आदउ सारव खगाया ॥ उउ कस्तिनवाचनकं वागपिकनाडगा ॥ यावला पासक
लडौंलाय पिपिसिय पिकउ इलाचीय सारवय कनाथापिउ कस्तिनवालनकं सं
स श्रमल वागपिकनाडगा ॥ यकोलिस मीस उ वंजनाचवन उ नूपकंगल उ जि
लिउ लडौं उ मलय उ पिपि उ शुथि उ लडौंलाय उ शुभास उ पोलक उ थवालव

छि सारखलवछि वातपित्तनाश नुच्चिकय अूपिकन ॥ वापिपि अूपकं ल
डविाय शुद्धाल इलायक्क कर्कटासि पूक्कलार्ं मलय मूक्क सारवन कुणा
यासेऽ कस्तिनवोवनर्क्कं वातपित्तनाश ॥ वाशीखंड वोल्लवंगमावन पिपि
शुद्धाल लवंगित्राय मूयक्कन यासक्क काथपल मूक्क कुणाक्क पर्यंतु लर्ड्डं जि
लि सारवन कनऽ उरोल यरल संवल खाक्कन रुचिन तालिस जिरालसो
खलेनवछि वातपित्तनोऽ ॥ वावातजाव श्लेष्मजाव रोगालक्कोऽ वरुडाऽ वा
तश्लेष्मयाऽ जिरुय ॥ वावातश्लेष्मनिदान ॥ वा सेसिर्यंप वलिरुंय निपल्ले

नवायसकं वातश्लेष्मणाः॥ ॥ मालिस पुक्कलामूं शुथि कर्कटासि वंश
लोचन पाठाक शुम्याव कूट समशंग कस्तिनवोयनकं वातश्लेष्मणाः॥ ॥
कंथगिनि शुंठ शुथि पुक्कलामूं श्वत समशंग याठ लवंगवोसधिवाय
कं काथदार्थं पानकं वातश्लेष्मणाः॥ ॥पिपिलि पिपलामूं सिंगि वि
षक शुथि समशंग कस्तिनवायनकं वातश्लेष्मणाः॥ ॥पुक्कलामूं वेल्ल ग
व पिक्कु लवंगवाय वंगेलायन शुम्याव कस्तिनवायनकं वातश्लेष्मणाः॥
पिक्कु सबू मोमूपिनवाय यवाशिंह नस्यीवातश्लेष्मवसानाः॥ ॥पिछ्या

गां श्लेष्मयातां निदानलक्षणचिकित्सा पित्तश्लेष्मणोश्चिकित्सा॥ ॥पित्तश्लेष्म
निदानं॥ लिङ्गलिङ्गासेगात्रज्ञ मारुक्लासयूथिहृषा। मूत्रपुरीषमूत्रशीतः
पित्तश्लेष्मज्ञबाधति॥ मूत्रस्य खाद्यते यिलोथं दलिङ्ग ज्ञयाधान वेतयू स्वप्न
स्वयू नोपाकल्पयू यूथिमेदू यासवोश्च उद्गारं दर्शंभयू उद्गारं यिलिन
वेतयू पित्तश्लेष्मणोश्चिक्त थस्थ॥ पित्तश्लेष्मणोश्चिकित्सामाउक्काल वृक्षाका मू
रूक्ष इत्यालीश थाक्षाथवास्यंगानकं पित्तश्लेष्मक्षालनं॥ ॥मूत्र स्वेकात
याय कूडेदा रूक्षवत्त युथि थाक्षाथवास्यंगानकं विवरसं पित्तश्लेष्मणं

हिं॥ ॥जिव्हला लङांगुल्यास लङांख्याय समराग कक्षिनवालनंकं पिरुध्लम्म
नासे॥ ॥जूक्षिरा गुल्याय वंशनाय लङांख्याय समराग सावलंवक्षि वासनव
क्षिन किनशि मंस ऽ कक्षिनवायनकं पिरुध्लेमनाश॥ ॥एवंगु लङां
ख्याय गुल्याय यागक मुक्कक विजिय ऽ क्षिमि पिपी पुक्कलामं इलावंश
समराग कक्षीनवायनकं पिरुध्लेमनाश॥ ॥लङांख्याय गुल्याय योनक पि
पी कर्क्कटासि कलवासिखिल पुक्कलामं समराग कक्षिनवायनकं पिरुध्लेमना
श॥ ॥इलावंश पिपी कर्क्कटासि नक्त पियंगु पुक्कलामं लङांख्याय गुल्याय यो

रक्तश्वेताभशलवश्छर्दिः कफिनवातनर्कं पित्तश्लेष्मनाशनं ॥ ॥ दिनोंबाधगुरुया
च गाधिस जिवी कर्बुरासि समरागं कफिनवातनर्कं पित्तश्लेष्मनाशनं ॥ ॥
लावालिहिविवर्णीका गमनंसविषातिकं कदाचित्सगुणसना कदाचिद्वगहा
हिनी शिवाभाकाणताक्ष्या कफिश्यनविधूना ॥ लोवा शिवा जाडाश्वर्थ वन्हिउ
वश्छिनवलस सालाश्न वनयू गुलिश्छिनवलस व्यगजडायू उपाउनू खलन
हू उपाउनूखलनयू शिवाख कोपजपूजा नाडिश्चिक्रश्य ॥ ॥शिवाभयानिवा
नालिनसानो वनहस्थे शिवानाक्षे कदियथा ॥ खदमूलपूजीवानां शिवादनि

मल्लनाथ कवचैलाजिनसाणं प्रापक ४ मूलानं काथनाद्यावत्काला मंथता
नांयदनि॥ मूकवेप्रातस्नाणका शुक्लमूदनस्य। विनाशोकश्वासानां घ
विपाचक्षयाक्षि॥ कफसंक्षयकाय योगेयोग क्लेदन नूवेलस्याक वलासि
नश विष्ठा नाशनि विरायखान खनदेय अग्निमेव कथुस कफकफमिड
ग्रहस्य खाडस्य शाक शोथखनदेय शरीरोपसादिव मूत्रस क्षासस कफकृ
यू यासस्याउ दाखन नाशिना शाकस्य श्रम सन्निपाताक्लेयाचकलासे॥ श्रम
लिंगि क्षानिवान क्षायाः जिह्वापीज खलस्यसी रुचिकामावूतोथिकरवकास्यामा

रवाधिक करणुकाजवायना ॥ मे सावकाशंक्षावयु स्थायु नवाक्षयु वाताधि
क्या ॥ रुदनवेली ज्ञावयु पित्ताधिक्य मंत्रायु यलक्षेयु श्लेष्माधिक्या ॥ कफ
शुक्ला सशंकाय सन्निपाताधिक्यु सामिश्रसन्निपाताह्या ॥ विपरीतलक्षणवर्जि
ताया मे लोकयु गतिशं क्षाताश्चयु सन्निपाताया ॥ वैद्या यथायथवलक्षण न
ताक्षलक्षयु सूचिद्या स्वगातलक्षण वैकसक्षमयु ॥ ॥ अथनवी मूषलक्षणर्क्ष
या ॥ वायुपाण्डुलेसूर्य सरुनंकरुवागिनां ॥ कफवर्णरुवस्निग्ध मधिकावैद्यो
रवरुपावोक्ता ज्ञातायु श्लेष्मया पित्यालजाव ॥ पित्तया ज्ञावु वैद्या नता ॥

थवथवनक्षणक्यू॥ ॥संनिपातउक्तक्रमेण दशमूलघनकल्कं॥ सन्निपात
या मुख लावूथ मूलेकलथकथ॥ ॥थनलि जिह्वायोधिकित्सा॥पिप्पलादि
पिकाउ कल्कजी इलाचैरु कलवसिकिल पंक्यामं कर्कोसि समरोग क
क्तिनवाघनकं सन्निपोतनाग॥ ॥पूक्कलामं इलाचैरु पिपी कर्कोसि क
क्तीनवाघनकं जिह्वापनाग॥ ॥वउक्कलकथ॥ ॥पिपी लउंखाव वंगभा
घने शुंठ्याव साखव समरोगघल कक्तिनवालनकं जिह्वापनाग॥ ॥पंचरु
क्कलकथ॥ ॥कलवसिकी कर्कोसि पोतक यूपकंगव शुंठा नउाऊ मंचये

पिपी इलायचं पुष्कलामूं हकमी सावल समराग कस्तिवावनकं पिबा
खनाडा गोटरलशा यादूसीनवालतंडा॥ ॥कर्डा सुस्याव पिपी जिरुना
समराग कस्तीनवावनकं पिबामनाडा॥ ॥खल्यालवंगमदि॥ ॥लवंड कंका
लो जोतिकास यातक चूपकरव यलेकलल काथपल कर्डाबाय सुस्याव जि
कडु वाव रुजेयो सावल कोताया सूयनिद ३२ वंडलाय पिंड कस्तिनवावनं
कंडा सध्यसकर्डामदि॥ सिलिच यातक वाय खकन पिपी कर्कटासि लूपक
रव सुस्याव कर्डाबाय जिरुला पुष्कलामूं जूतियस इलायच समराग कर

स्तिनंवावयवकं सन्निपातलाग॥ ॥ लशां कंकाला श्रीखंड वंशनाचन लशा
खाचे शुन्यान पालेक लूमकंड शिकउ उखाल शोधि हकजिलि वृश्मूनि
पलेकंड अूखी राकलोयरा व्याल अठासोशि वान कंधूनि कूंगरा जि
शंग शिसनाजे सोखन कस्तिनवावयवकं शिलोमनाग॥ कुरुलकंमोदिा॥
शिलाभ हलायशिका सपिन स हक्षासाहिका जयगलरा हो मुकुपिला॥
पारुसपा हवपथू विसर्पउत्सादनसन्निवर्नो साभक्तियवा वशिदियसोव
मं सोभ्राक्तियस्मकिरुलपकंणुरा खस्यरव सूत्यनशियनिश्चितं सूखाग्द

नेदकर्थं सन्निज्ञा ॥ ॥ यूणारिष्टंभमूद्धवम स्त्रायनीवनकंपनं कासजंभकरोद्य
दयुष्कोटा यीतंश्यामला ॥ रक्तारिष्टंभवक्ष्यामि रक्तसामान्यलक्षणं ॥ रक्तारि
ष्टंगलोद्वालऊर्ध्वग क्षोदभ्रम खोदू मतोयु कामस वाकस रोग्यस वायूस्वबल का
दस पित्तबल रक्तारिष्टंगया पिपासकाजनो रक्तसामान्यलक्षतो थस्या ॥
जूनिष्टवाक्षणजा क्षीकास ॥ हिक्कोश्वबद्धति सास्कृतासोभस्तादिसी जूनिष्टकी
भवेद्गीताय जीवनेंद्रियनसंशय ॥ तोवाक्षिभ्रं मेलुप्त यायावृद्ध लिंगनिभव
नेदकर्थं खाडस्य क्षीणयोऽवस्तापूर्वाजा पाकौलोगिलीभेय थनेजिवलायकयू

नवाचमं सः प्राय कालयस्त॥ ॥पसिंसिंसि॰ उमा॰ पागाक॰ लडा॰ वा
ज॰ इलावेर॰ सवव॰ पिपि॰ धुधि॰ खाकं॰ यकड॰ सोखव॰ धूतकली
नवाचेर पिक्क॰ गालाला॥ ॥यक्कापला॥ ॥कानासि गाय कडुक सूर्ख
यल सवलसाख पिपिलामं खड॰ सि मुक्क कक्कीनवालनर्कहिछिया॥ ॥
कुक्किली साखनसिस कक्कीनयान कैने हीछिया॥ ॥पिपि धुव डाननि
सं कसमथर्ड हिछिया॥ ॥पिसिकव इडनासिगाडा माय हीकोडा॥ ॥
कथानलासं॰ ओदम॰ कासदा॰ उसस्ता॰ लडी॰ गन्धे॰ यकवि॰ धूल

वर्जिता सामर्थहीनस्यं सावनपाउन बलक्षीणयाउन जावडाडालक्षिनक्षा
सिय॥ ॥सासाइद्विरवेयस्य अभावकाएवेय रुउभक्ति रवयेस्य सा
पिसाध्यानस्यथामिखारिलालेखणावकताजि दयरालेक्षायावचन लोक
जिगालेथवागीसाध्यख॥ ॥पालिपादोरवइक्ष पायस्वल्यतालस्मृतः॥जि
कोकोमलतांयाति सथागीनविनस्यति॥ ॥लो लोनो स्यू नवासइ मखाव
डास्यनायू थवागीमलीक॥ ॥निजासास्यरवेयस्य नवीनेउकमेथा। दू
दियोजिउसलानि सनागिनक्षिनस्यनि॥ ॥

॥ ॥ वनाद्रक्षतमासांदु सउअंसद्धिचूपिनं। हद्धुसाथमतिसायं विसाव
पयाकृवी खायालक्थं लालिलालिथं ठेंयु तद्विप ठ्यकथक्क ॥ थय
तत्सय जिदावंतजाअलाप ॥ ॥ तस्ये सा वेलयादियाशनस्य वाप्यानवेद
जिमोविसयजक्ताः कारंगवो कारयीगस्यतकं गवाधेका खोकलजि यकाश
॥ निर्गछवोविद्धि सिकाघिछो निर्गधंबंधे गधयतोसिसाय ॥ लेक्काखन्ताद
थिकि स्याकिसायं वाममयेथेकरुगमसदिदं खमवधिम वाधिय याकक्करलं
खायास्य सनसीजालं खायास्य लोमखावीरवीयकास ऋषिकामलपाडा य

नयाधलघु सीमिमात सूधियात सातवात वातसूत सूयात्मा ॐ कू यस
धर सोस्या मिस्वास्या मस्या नाम ॥ ॥ ॐ लोक्ष्रस्वाहू कू श्वल
वला वाश्र जिकरु पिपिलासं यावड सूजवा ॐ मं विलिपि मजविधा
रिए खयाश्रल वलची स्वभू सरापिवि पसावि सिमि विनाक व यमखा
न सतराग सुतिमं अनतमंड धंय वावाडमडाडा सूनकूय श्रलजितहा
ड वूक सिय वातपिरु श्लेष्म उत्सरुसनान ॥ ॥ ॐ किमीमं मुस्वाडमं
सि०मं सिक्षायसं सनूथिमं श्रीवसुमं मलवासं रुडमाजिअस्ताश्रल

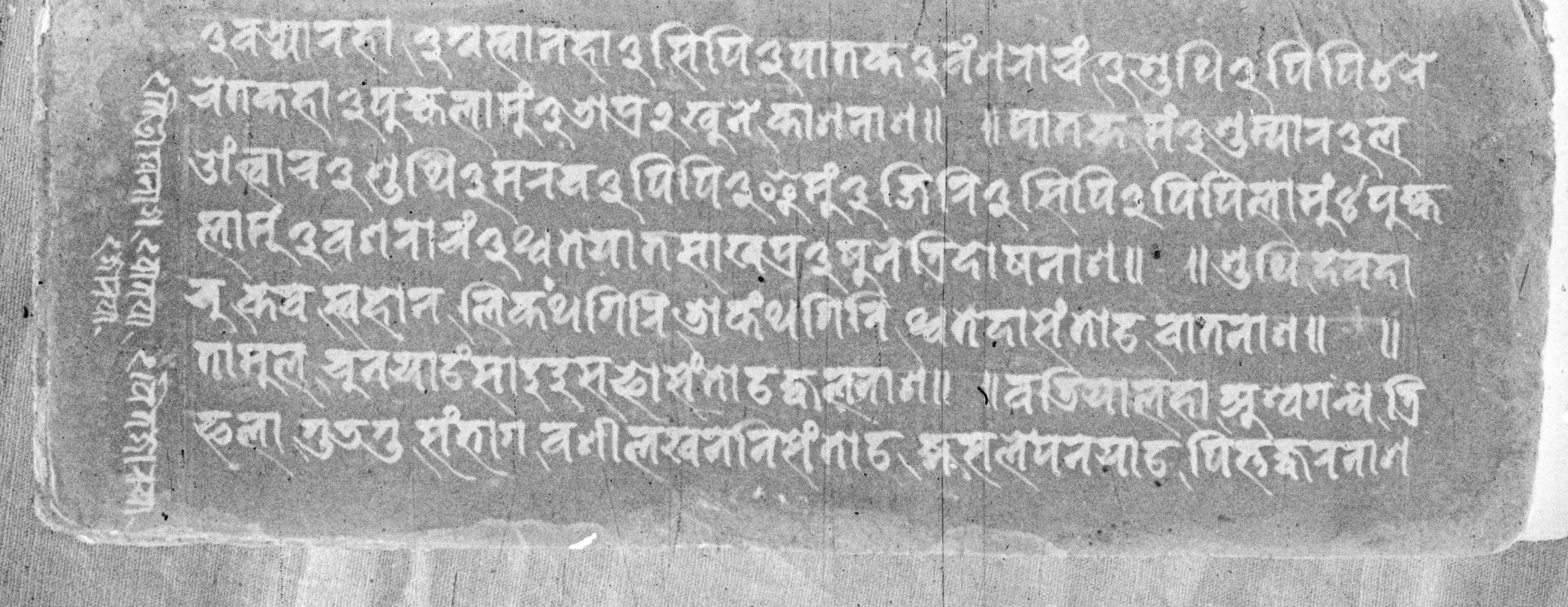

चिकित्सा सन्निपातिकज्वर॥ ॥पित्तश्लेष्मणोरुल्बणयोः पृथक्त्वात्कुर्यात्तत्
प्रधानविलोपिकुर्यादिति त्रिविधस्योत्तरार्द्धः॥पित्तश्लेष्मज्वरे लघ्वशोमलं
घृतस्याऽऽयुः वातश्लेष्मज्वरे जलस्याऽऽयुः वातपित्तज्वरे लाजस्याऽऽयुः सन्नि
पातज्वरस्याऽऽयुः॥ ॥चिकित्सायामधिकृतायां॥ऽऽम्यालस्यं२ यागकर्मं२
लङ्घनं२ लङ्घनाद्यवमं१ जिह्वालस्यं३ जिह्वालिप्तं२ मिमालिप्तं२ हृत्कण्ठजिह्वितं२ का
सश्वासमं२ मूर्द्धकण्ठनासं१ सोष्मलं२ २न दिवामतिसंरु२ ध्मान विबद्धवर्च
श्चाधिकुर्याद्॥ ॥वस्त्यन्नमेषां क्षीरकाथिकं१ २स कुलत्थकाम चिर्य क्षय

विका क्रमउन मिखासस थिस्यं गस्यं थिनव कालनं खकूरंजाजानं थिकू
नाम॥ ॥ढलड वकलड थासिखडि समरागं चूलयाड कसोनवालनकं थि
कूनाम॥ ॥सिंहला चूलयाड कसिनवालनकं थिकूनाम॥ ॥मलेच्च
कालवास थिकूनाम॥ ॥गुस्याव लोग्र लडाड पिसाच थवकायाट व्यारा
ग कालवास लक्वनिस्यं गुतिका क्रयकेन दिंसपति कसिनवाल थिकूलाय
या उसखथ॥ ॥ऊँजथ ऊँजीं ऊँ थिनतऊँ ऊँ कयूस्वाहा॥ थकलं खालसयो
स्वोकं थिकूनाम॥ ॥ऊँ पिशयी पकुशवती सर्वे पिंडवजाजलीयस्वो॥

शिपि२ शिपि४ वचसार्ध२ पिप्पिलामू४ गाजि२ ताप२ लवक१ सा२ इक्
१ कामूलनखनउगाल॥ ॥गाजिरा३ ताप लडो लडाखाय खखाय मू
वंदन हवा शिकउ विलिशिपू नवदानूकव आकका यूक्कलासूं शि
वकिशि शिखला दशिरा शिपि क२ नवीज ऊक्कजव कउक पिप्पिलामू
मूक थासं२ धानं व्याचून क२ सारख२ श्रयाई वागजिरु पानु ताप व्य
तासंउ सक्तिव गवाव खशिलायसशिं॥ ॥गुलि क्रम वचसर्ध४ शिपी३ शिपि
लासू क१ लडाखाचसं२ लवनसं२ ऊलसं२ हुनसं२ आकक्षासं२ शिपसउपू

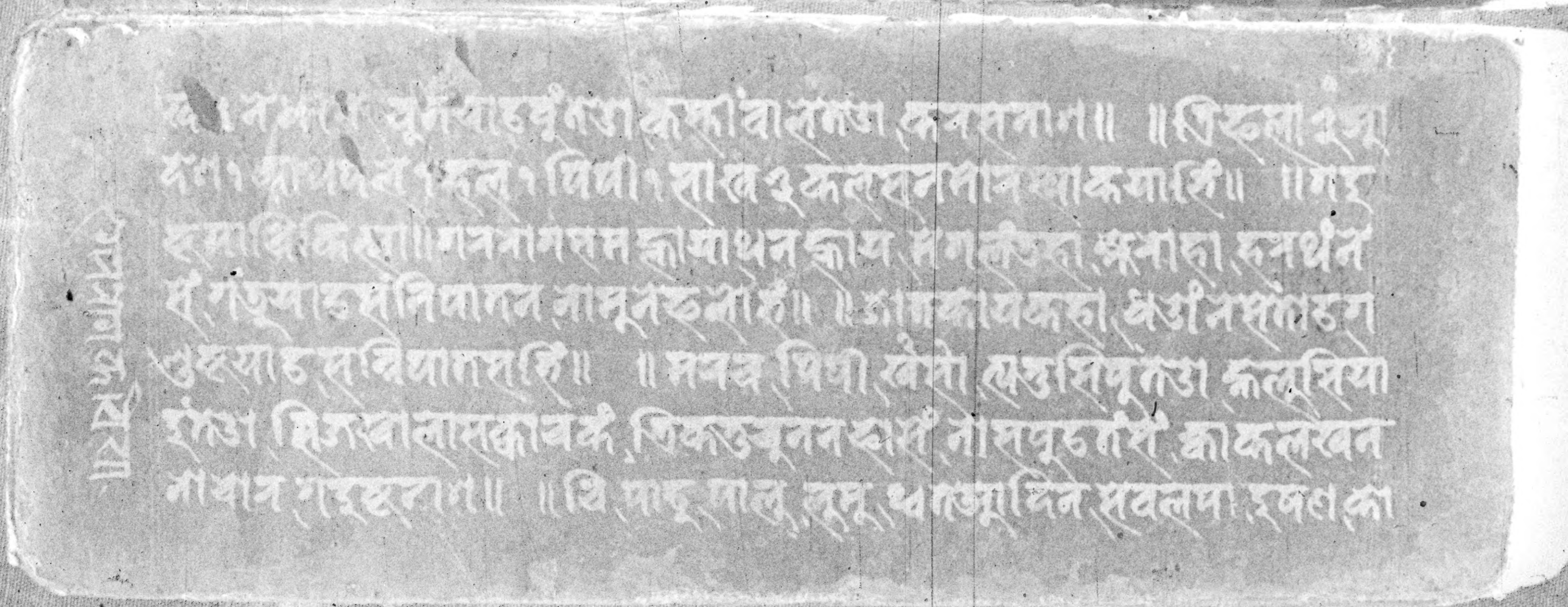

पलम् विसर्पक्षयाकरु कलगासिय गमनसंदर्भ व्यापकम्॥ ॥रुज
गा मूलल्ल कल्ल लाल सोधन वि आखथनि सिंधे वासन कल्ककूना
न॥ ॥लाल कुक्किमी नसं लेपन अप्पूवाकर कल्ककूनाम॥ वाधिक्षायस
१ सिंधकर्षा खण्ड १ थेला खूने सिंध सावूलाडाडा वूकसिय वालउत्थेमा
लथथेकनत स्वकननाम॥ ॥कलावे जलोमासि थनमा उगियूनयाक
वलनबाल वासक्कियाडा गडाखागायाकडाडा कल्ककूनाम॥ ॥थीखा रसि
कव सिंगा मालनजि मधूनिखोन डावगस्व थेसमरोग लखवनि

ॐ यतन वालपाठ गडा २ खाणा वाँ सक्रियाऽ नागल संचय मय ज्ञान संच
ज कच्छ नाम॥ ॥जिखाथा कर्ण नक्ष दंत मासा सि मूर्क कनवीखा
नयन वासिथा नि कलऽ खजाऊ मन थि स्फ्रिवित सूखगन्ध कूट खाक
खाजानि ४ भान लोमजिव १ मख ४ थवकनन वल गाम्मलस ८ सं
पाठ कच्छ नाम॥ ॥मधूनिखां जागर्केव ४ सूक्ष्मि खाऽ हननिसं यल
पाठ कच्छ मालन कच्छ या कथूखाथा म॥ ॥देवदारू यशोदाक पाढा
श्र खडी रल समासिनि सूखे वेर खजरख ४ तालकं चूयकच्छ आदिवं

ठंडा॥ ॥रक्तादिभियाति भिमला रुमी थुकठिनाडा वलथ्ठ दा
यकेश्व सानगला मागसि। कपिलमे पोलावेशे विकायमलाचोसदाय
के शलार्थ मागस्तिान मागस्तिाडा मूचकठूनाम॥ ॥यालोप्रकर्व१
ब्राडायकनप१थुकलखनिनाडा विकणा वलाडा निशानमपासाडापू
सिरसकठाडा थवकन थानसकठूसयाके ठूसगलउरुमख॥ ॥खापू
क१शोजनसत थक्काकयाडादे ठायकन मलासायाडावर्ष१ग खाड
नस कयतनपूय सिरूय आपूकायरुर्क थवेकन कायाडा यासूकठू

थरथ्वाथापूर्डनसलाशनतर्सकंथूसरकनपूर्हलालसलाउडजा ॥ ॥ पाबाग्रहूत
थपथ्या ०ः स्फिमी प्रिन्थुवस्थि ध्वनिवाथका नौपपूत मिपूयाहि ॥ ॥ काव
सक्रा १ मनवक २ गुठि क ३ लउात्वावक्रा १ गुम्यान क्रोमं १ पिपिमं ४ सास्वकू १
पूर्ह काम स्वामनाल ॥ ॥ जिनिक्रा १ सिपिक्रा १ कर्कतापिमं ३ गुम्यानमं ३ क
नवसिका मं ३ मूरुमं ३ ०ः मूक्रा १ पिपिक्रा १ गुथिक्रा १ लउात्वावक्रा १ जिस्वा
मं ३ सीमगुथिप १ कालठप १ लागातिक १ जाकूलथवापूर्ह कामसत्वासत्या हि
॥ ॥ गु[illegible]मं ३ पातक ३ लउात्वाव २ गुथिक २ मनवमं ३ पिपी ३ ०ः मू ३

लघिन पलवालं वृणाउ कस्तीनवालं दृणाउ सिनी सुनी स्कंद आनन कं
नकवायाउंगुलिसक्त॥ ॥ सिकउ आल मताथि थपिस्वात मस्क कूट
बीज सूतियस मिसलस सालन उरुल आन बज्यालस्त पाठ्या पिपि
लामूल नाडवि जिमूतवा थखासिं १४ अनपंगुलिक १ थपिलिक १ पूक्कलो
मेभनव १ इक्क १ थ प्रथ २ थाथलमूल थकलिया थथालास मस्ताओगिंवीद्य
लमूलविधि॥ ॥ पिपी ज १ पूक्कलास मं ४ कर्कोलि ४ गुल्यान ४ लडा खाज ४
बलेनोद ४ रुल ४ गुलि ४ सिपि ४ विपिलास ४ कूंस ४ गुलि ४ नडा क्वाथयोडा

॥ ॥ वाऽभ्या सनव लक्ष्मनिस्ताऽ खाहा ना म॥ ॥ याल मिमी साख खूल
आऽ पूवा कि मिलामीस खा मैताऽ कलना म॥ ॥ क्रखऽ ताप वोऽभ्यो
लक्ष्मन निमैताऽ कलना म॥ ॥ आदना इलाभंर खाल मूक कडूक खुंभि
श्रीतरस रोग जायकैताऽ समरू कालना म॥ ॥ इलाभंरु युज्यु ऽभि मू
रू समरोग मैसक्षन लक्ष्मनिमैजायकै श्यामिलानक्ष मिलोदयकै ताऽ वा
नखोलना म॥ ॥ इलाभंरु खोकन मूक खाइ समरोग प्रकिमैजायकै श्यामला
नक्ष मिलोदयकै ताऽ न थिरू कना म॥ ॥ किलाभ कोऽक आदना खाइ मूकन

लेपमान त्यागी स्नियरुग्ण॥ ॥अंगकंपा त्वयंयाऽनल्पविशुष्यति हृदयंद
ग्धेयस्य सा दिकानविमापित॥ ॥चेक पूर्वेणार्थं कालेऽहृदयस्य ई
ष्य थवागी कानदना॥ ॥संपूर्ण विरोधेसामलेवनष्टखरावक्तानाद
ायोगस्यकालक्लानसूरापित॥ संपूर्णिर्यतउल वलेलमेनां खरु खनद
ड्डा वालाछिनक्षीयु॥ ॥विवर्णताक्षक्षोय॥ नित्यसक्तकाक्षायागा रुविद
गायकाहिकामग॥ ष्ठीलोहिकरुग्णीयस्य सोन्निमाश्वथुर्थकि॥यागलडाजो
द्र क्रिथकंडायु पिलस्थन अंगलडायु श्लेष्मल सक्रुजुक्तडायु यक्रुलडाजा

॥ ॥ऊगमता वलसिपूजणि, मूलज्ञा स्कंधबंदेय, ॐ ह्रीं क्लीं श्रीं नमः
नाडासहि॥ ॥श्रीखंड कुंकम ना पलेपन लेखनाल सी मानवी हृदय, तोपला
स॥ ॥मानकीन साखय लखनिरं मानवं हृदेय सा तोपलाज॥ ॥मुन्योलद्ध
ॐ कूट साक्त मूलन खोकत लेखनत सं मानवं आलय मोपनाल हृद
यानेऽ॥ ॥वेयासाल मूलागंध जिखला ठेउए वासिलखनसं अखलपलये
पिरजालनऽ॥ ॥मूलेय स्वक्षेतस्थं पलत मालाल लेऊ सयाव मूलिनाप
करुसहि॥ ॥ऊंमूलगरेवदेवे मूलमंत्रखायकूंबोला॥ थसर्वं कार्येषि॥ ॥

ॐ पिपी जिश्वा जिन्नी सांखल स्फोसाहा पिंडनडाडा चिकूनाडा॥ ॥ॐ सा
ऊसीमं३ कालवासमं३ दलमं३ यकलमं३ अूवलमं३ मनयमं३ मिजिसमं
३ मुमंगुमं३ मिखमं३ सांखलेडाड चिकू नायता॥ ॥कालवासमं३ पिपि
लासमं३ सियमं३ मनयमं३ पिपीमं३ गुपिमं३ लडाडामं३ लडावोचमं३ दल
जमं३ जिश्वालमं३ खकजिसं३ जिखिमं३ अूपकमंदमं३ पाणकमं३ गुप्पायमं३
यणकडामं३ कूणयडामं३ डोवं जिडोवलो लंखकूलं३ सालडसंयाड चियोकू
डाख॥ ॥वर्षतासमं जीजी खन सांखल लंखनलोयं साड गायडालनाड

वृद्धत्व व्यधलसानासत्वागवी ग्रा॥ ॥सूत्रविरुद्ध
२कूट२ कलवा२ लाक्ष२ मनथि२ एकत्व२ स्वधव्य१ लवव्य२ अव्ययकन
नशलिलन सक्षागडा सै १ला भर्न सलयया८ सायक ज्ञानयाधिकं॥ ॥
अध्यगच्छमं२ व२ कूट२ ज्ञाकथगिमिसिक्रर्म१ सान्तखव२ इस्प२ लखव्य२
थाषूट२ यकनन्नाल क्तसलाऽ विक्रियाऽ लिगाडा याय्यं ज्ञाक्षायकं इ
स्थाधिक्रियधनया गडाधक जिउ॥ ॥ग्रानिश्चमं३ मिमी क्र१ पिपिलामूक्र१
ओथिक्र१ लक्ष्मलाचमं२ शुस्याय२ थाक्क२ सूयकन ३उ३ ग्रा३ ग्रवऽ कूल

इलालंग प्रतिमं३ श्यामलालखन कमलादयं दासीगाढ नकधिरुनाम॥
॥ ॥ दिश्व मिजिरयुक्तु खाइ खार्क मुक्तकउक समरागप्रतिमं३
अप श्यामलालखन कमलादयं दासीगाढ दाता साखनया धिरुखन
नाम॥ ॥ धिरुला धिरुउ मिधि खियंउ अतखनयाढ साखलनखालन
कं धिरुअनलनाम॥ ॥क०मिधी उज्यु शुधि पुक्कलामं श्वादाशगाढश्व
श्व आनलनाम॥ ॥उखानखा मुक्त का०पलं श्वानलंगाढ कालयाखि॥ ॥
रासालं कउक इलालंग रइकानधिरुवा समरागनयाजा इगंधि साखनकमी

सपाय कृता॥ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रूं धवलदाडू थकाडाक १ डाबकनखाल खयू १ थचिकनत्रासूक कृताग॥ ॥ गन्धक ३ यस ३ निंब ३ शुंथि ३ व चकि ३ कउचू ३ ॐ क्लिं मिं ३ वका ३ पिपी ३ कजी ३ मूदग ३ क्षयपत्रा ३ बालदबती ३ मोडाबति ३ ल्लामूल ३ मजागिनीप ३ थाकडीप ३ त्रासूक कृया॥ ॥ सिद्ध चिक्काय स ० यस गन्धक वकचि ३ कउचू ल्लामलियकन धूने त्रासूक कृताग॥ ॥ कनवीर यस वकचि ३ कउचू गंधक कजी पिपा मनच ३ थि क्षयबलदा ॐ क्लिं सी वाकडा कमपात्रा संधू कक्कूप सके

॥ ॥सिद्धस्तुति कलजी लंघपन हंसपाल वकुलिया यासुकुकुनाम॥
॥ ॥जिनायो कनजं सबु ऊंखिमी कजपू वयकी अवल सारुठि रुकजी
थायालसइन नियं कासपास अजाकुकुनाम॥ ॥अुव लूमकडा खड
सिकव खलासिरु नासअलसकाल सिवूय कुकुनाम॥ ॥ऊ०ऊ०ल०क्यू
ल वोल मसवाय सकुकुनाम॥ ॥यम संऊ ऊ ऊसनसी२ रुकजी१ रुवयस
नमी१ थूलिसी१ गमकमी१ निव मी१ वेलाकप१ थकनप१ लीवकू१ मनाकथकू
अूदिय रुडा॥ ॥रुल सिथकि समाथि पोपन थड रन्धेक कनवलिरु

थ्वकेव लिसं ३ अव यॆकिप १ लेमूप २ थ्व वॆंकनन मनाक कू तामडयाहिं॥ ॥
कूतिस कक्कू ालठाया ओायहलॆ ओातियायताल ठाउा ओातिकायाव खा
काहालथॆंकलोदिन ३ कूउमिसउाउ कक्कू नाग॥ ॥खानाल थ्वकुर्कंन
पाउा मिजरुजाहान थ्वली हलउ थ्ववालालीह मिजरुजास्वबूलॆ स गिङ्कू
दनघयलनवाल मिस्वासथ८ मिकक्कू मिरवाका खाविह्वउानोम॥ ॥पाल
दवाग कुगिवन निम्ह आदश गिरुला थुदगु पतिसं४ घलवारु १ लरवप
२ खालक्षं लाखालारा कक्कू रानवन अमॆं उालठाउा घलनयायाहिं॥ ॥ घदन

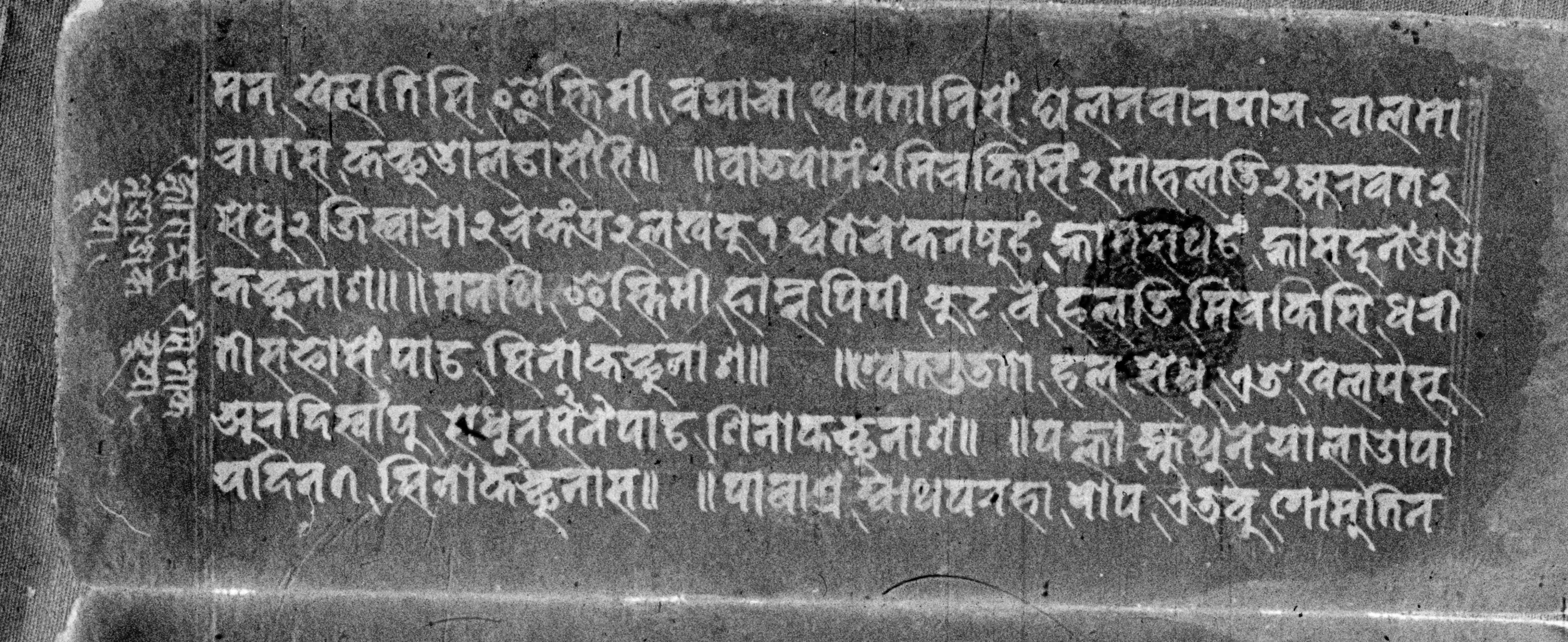

निश्चयाय सिनाकरकुनाम॥ ॥विलिसिपू रजपू वाकरा जूव रुल दि
ठा केनउ रलडी वकयी कूठ वे प्रथरु स्वयपवरा एमसतिननिश्चपा
य खलिसिनाकरकुनाम॥ ॥ मलयनिलवनी सासासिया पाडुवा मलनपय
कं वासनं स्वलिझोनाम॥ ॥वलणा रउसि सिधू समराग स्वलिझाना
स॥ ॥लउनि रसवाल सिधू सिधूय समलसयो पाडुउ सिलालपयकं राम
स्वलिझोक मनेयं रुल॥ ॥स॰ पाडु वशादक लवनी थाकदयकं स्वलि
झानानी॥ ॥सिद्धिया विधिरसा॥ अवन यमरवा स्वलेननि सं काऽयाडवा

श्रीसिद्धिसारः ॥ ॥ अथ लाक्षादिस्तोपु लिप्तपु गन्धक लवणानि सैंधलवण
सिद्धिसारः ॥ ॥ स्त्रीभिः सह रिरंसोर्यकर्मः पोलत्वचि फलस्य अथ
रसलवणं सर्पिषि वाय गलगंडालसवाय लाकूसिद्धि गायूसिनोद्विधा ॥ ॥
रोमगोजाती सं० काकयावनि मं० अजमोदा० उडोसरा० फले० गंधक० खयति
० लोमसि० पूतिविष० व्याकयासि ॥ ॥ फलमें० उष्ण० अम्ल० अजलिंस
गतनव० गालमूल० फले० पालाडवलि० आदमो० अरो व्याकडाडाना ॥ ॥
तया वाक्यसाविकि सो ॥ एका खाड० कूस्तिमी तच्छा समराग फलयाछ्य

लवान वासे पलोलेनाजा॥ ॥कपीनसके कायके कुरे लवन खालयाजा
काथे एमसूवा मललेवा से पायनाजा॥ ॥स्यादिनिवकि थल जूकारह
न निसेवा पायनाजा॥ ॥मयूरउखानस्य कुटजकाथे दीउखायजा थ
लिगिननेपाय पालसनी गिलसनीरि॥ ॥विषूसेवला साथसेवा सले
स पावा थूउकनियाजा मयासपायके थवा पवन श्वेजयाड गावबडखा॥
॥ जालाउंग सीमाडा श्वेखा मोवसयाड गानडाजा॥ ॥मयूरपिनीगि जस
लसिगि पायजि यासिमे श्वेपेश थावकनन मातसगिल गानाजा॥ ॥

लवनाम॥ ॥ कुजीवा जमानाउवणिया कातुलवा नियाउ यिनकाश
लसङ्कपाय पवनानाथ॥ ॥ अूकाभावा वा कुजी वा न संपाङ् पकालनाम
॥ ॥ यानामिङ् लेमासवस् तीस् लास् कासत् आसवयलपी इखनसाङा
प्यङ्पर्क चिस्नन्यार् कालङ्ग्या ङाङा॥ ॥ कुलिया यसकुलियाखि
किमा॥ ॥ नकवेंङ् नलव चूलाउमाय यसकुलिनाम॥ ॥ पलेकाम् नूय
कंथ्लालिस् ङ्किमी निसै लेमानयाङ् यसकुलिनाम॥ ॥ कलय खा
इ कुक्कुरङ्खानि यंयाङ् यसकुलिनाम॥ ॥ अूवेले लेथू थालखि खुलिम

यांग रा, अलावे, हलने, कंवर, लडाई, काय, उनि, गाडा, सामुगा, नानक, क्या
धुलडाय, वाजे, कुनिसालाल ॥ ॥ कू, लिया, कू, लुनगा, मिसि, समराग, मूल
पाछ, नमाज, मूवेगा, गिंदा, रे, नानक, हाथलाल ॥ ॥ का, कुंडा, मधुमास, खान
रा, समराग, मूलुआछ, सा, इ, स, रा, नानक, हाथलालख ॥ ॥ जोमूल
चूनथोछ, थेलास, रा, थे, नानक, हाथ, जोधोलाल ॥ ॥ ज, लथाछ, सुखूलिआछ, मे
लेव, व, १०८, थ, यान, क्लास, सथ, ई, अपसानलाल ॥ ॥ रा, कूलिया, विरे, उसवा, सया
वधेग, सीगू, क, क, जा, धलि, रालल, वा, लावा, विवानके, विलाकजा, जविमि

लाउ रासल रकाका संशय थ्रका तलंखनानिसं कावलास षडवर्स क्रान
सशीयंक अूपस्मावनान॥ ॥ [illegible] सलय व १थूरुकंलखनानिस
क्रासवान निखेथन इक्षल थई लालडा पंडाडो अूपस्मावनान॥ ॥ हंसमान
रा सलय व १थूरुकडियाडो लखर्तकाघनसंपालाचि हाउ अडा क्रासस खासख
या क्रासस लाव थइअूपस्मावनान॥ ॥ अंजंथो अूखन राजिनि लंखनानिसं क्रा
सथइये अूपस्मावनान॥ ॥ जिकउ थूलया ६ क्रासस थइअूपस्मावनान॥ ॥
थोलथूल हासेथा ये चक्कान सलय क्रासस थइअूपस्मावनान॥ ॥ जी थु

वि विधी समतां लक्षसंनिधं क्षासथ ईजुय स्वानना॥ ॥याऽजुलंजता
ब्र। आदुमिथ क्षोषब्र। स्वंबब्र। साब। लखद्र क्षाकंतयाऽवश्चिदयकं कर
बाय थलखस सोफुल। साइदुब्र। साखुंथ साक्षासथ ईसंनयाय वाग
नाना॥ ॥वसाऽजा अुलंजता छुंचु मिमि लाम्ब का सनथि स्वंबनसंयायकं
क्षाकन खलथि लपनयाऽवोतनाना॥ ॥सुजुजु अुमग दिखा संडु क्षयन
मलान क्षमेलादयकं लखनयाऽकब्बाय थकनयाभिकिंचुऽ तानकंवाग
नाना॥ ॥नकबंकं शीखनु खाल कुनका लुऽसयाऽवोतनाना॥ ॥सुजुजु अुजम

दिखा समरण मंडल कमलालंकल कमलालय कंठा सक कंठाभरणालं॥
वलि पालंबा सूत्रा बाधू तिसि लाभ मलथि खत्थेन निसं कायक लायनखाल
थं कायक पाठवालनालं॥ ॥ यंत्रक विधी शुधि कलज कुंभ कट सक्ष्मा हि
एक्षतायावछि श्वन काकलखस खातताहन मंश्वमल वालनालं॥ ॥ अर्क हे
इन कोपन वृलाज थ हुनावछिल खमलखान वा खाड अजाल दश अजालमन्
थ इस्त क्षामे खातडाजाश्मलाशेसंवालनालं॥ ॥ थिसुडि २ रोग २ खकोण
ग१ खोखेनलिसंयाठवालनालं॥ ॥ अंत्रेगन्थ लाग २ के लेजि रोग २ खखेनलि

संपाद जयकाडायायवायत्ताना॥ ॥ इसविधं स्वनया स्वयानस शील
सहर मूलपूयासन दासाजूएहि मकासा जूकलवाणीस थामेलला॥ ॥
पयकं नायनिय मजलमथर वागतस्यानयाड मदनियाड वागलाना॥ ॥
खिरमेड पियाक्र१ पिपिलामेक्र१ गुठिक्र१ लर्डखायमेउ गुम्यायमेउ पात
कमेउ मूयकागमेउ कणलामेउ खडवकृत१ घलकर्मेश थडाखविवागकाम
यारि॥ ॥ एकजि उथि ेमू पिया थपिणानवछि वासिघालियछि नमे
ज पूवोक्तिय१ जाथूयाउ जोउमेलाउ गउानमलन एसगवाना॥ ॥ हिंदवि

वालतालो॥ ॥मिंवेमिंसिंकुंदा उगंधसालिंगी उएवंदा१० जयंतामि१०
मनचउ पिंपी उजायपूअउ लाडा उघलउ जिंगी ०ऊंमूं उकुंजी उवालकीकउ
अंपिंपिंकू १४ इक्कवोलायाविंकं ॥ ॥एवंतः वालतालउ इकारीसायायाखि
कजि. ०ऊंमूं उंपि लाडा सधू वालतनानिसंतोयकेयालेयाउ वालतालो॥
५ ॥वेआलतालमें उपिंपी उसुं०कुंजूलउपू उखंभाल उखंडान उकलान उस
भू उ०ऊंसिंमिं उएवंवान उकर्कदासिं उजिंमि उमकोवेंद उखंडमि उखंडास्थल उ
संसं उएवंखान उसिंमि उवालकडा उपिंपिलामें उगंधसालीमि उवेउ०ऊंमूं उ

लाघव १ सत्य १ शौच १ लघव १ विवेक १ साधुसेवा १ इत्यादि ॥ ॥ अथवा
क्षांति १ मार्दव १ आर्जव १ मुक्ति १ सत्य १ संयम १ तप १ त्याग १ आकिंचन्य १ ब्रह्मचर्य १ इत्यादि ॥ ॥ बाधल ब्रह्म
गुप्ति १ तत्र निधिकि १ उज्जु आकल साइन जि १ संगो ३ दार्यपाय १ एकवा
ना ॥ ॥ गोखोल १ उवजियाउ १ जूदंग १ अूलउ १ कायलिक १ हाउ १ उज्जु १ निव
उ लखयो १ संतान १ उसलादय १ कंवमुणि १ हाउ १ दायपाउ १ एकवाणा ॥ ॥ निव
ही १ योउ १ जाणि १ उ १ कलउ १ यकलउ १ उज्जु १ अूदंग १ उकजि १ संयउ १ लखया
संतान १ उसलादय १ कंवमुणि १ हाउ १ दायपाउ १ एकवाणा ॥ ॥ कूयला कंवला

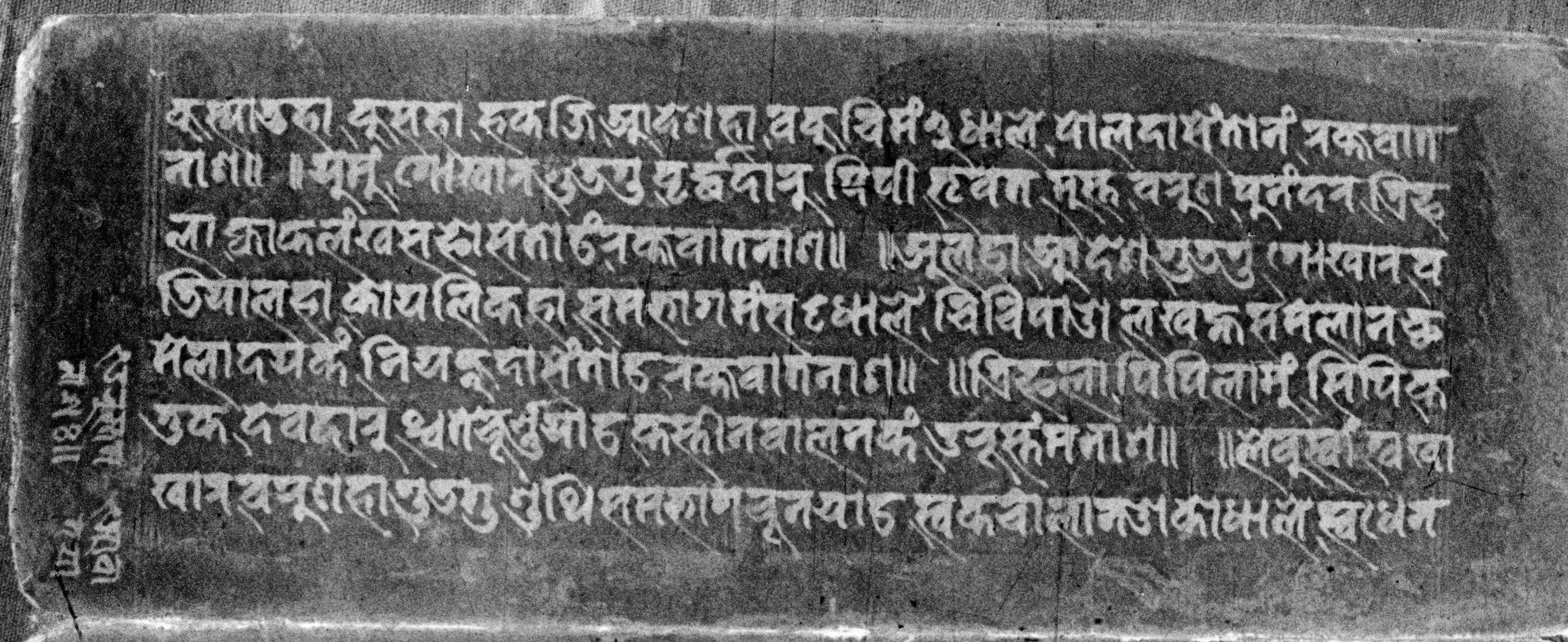

खेयाश्च ताऽऽसवागलाः॥ ॥वातपित्तश्लेष्मवातश्लेष्मपित्तश्लेष्मसन्नि
पातास्तथैवास्थायातासृक्संवातश्लेष्मानः॥ ॥स्थिरं सरं पिप्पलीमूलचव्यमू
लसंयुक्तं क्वाथमासवलवणमधुशर्करासंयोगाद्वातश्ले
ष्माणं॥ ॥सूक्ष्मैलाकोलबिल्वातिविषाधातकीमिश्रितं क्वाथं सारवलवणक्षौद्रा
क्तं पित्तश्लेष्माणं॥ ॥मधूकसारनीलोत्पलं स्थिरं त्रिकण्टकक्वाथं कलंकसारासंयु
क्तं रक्तपित्तघ्नं॥ ॥पुनर्नवामूलकटुपञ्चमूलं दिव्यं लवणासंयुक्तमूत्रक्षौद्रा
क्तं वातरक्तघ्नं॥ ॥वासाजूटिपरिणटकटुकलवणासंयुक्तं क्षौद्रानयाऽपस्मारं

सपाय रुजा॥ ॥ शिंशिपकर्म २ वदनानू थकादाक १ शाचकनस्य १ ल
वकू १ थचिकनत्वासूक कूना ॥ ॥ गन्धक ३ यस ३ निव ३ सुथि ३ व
चकि ३ कटपू ३ ॐ क्षिमि ३ रेका ३ पिपी ३ रुजी ३ मूदम ३ क्षयमनस ३
पालक्यवती ३ मालाचटि ३ एलमूल ३ सदासिनीस ३ शाकशीस ३ वासूक
कूया॥ ॥ सिंह सिंहाय स० यस गन्धक वकचि कटपू एलमालियकन
पूरे वासूक कूना ॥ ॥ कनवीर यस वकचि कटपू गंधक रुकजी पिपी
सोंच सुथि क्षयपलास ॐ क्षिमी शाकस ३ रसंपात्रस ३ सेंधू कक्कूप सक

इलादेव प्रतिमा श्यामलालरक्त कमलादय दासीगाढ नकधिकनाम॥
॥ ॥ दिव्य मिजि रुदयु खाइ खाकं मुक्त कुण्डल समरागप्रतिमा श्र
अय श्यामलालरक्त कमलादयकं दासीगाढ दास साखलपा मिलखान
नाम॥ ॥ जिखला धिकउ मिधि खिअंउ श्रतच्चमयाढ साखलनवालत
कं धिकजानलाम॥ ॥क०गिधी उजउ खुथि पुक्कलामू श्रतदासगाढउल
म्म जानलाम॥ ॥उखानका मुक्त काण्डलं श्रतनसीगाढ कालयासि॥ ॥
रामाल कण्डक इलादेव इक्कलसिया समरागनयाडा एगिढि साखलकखी

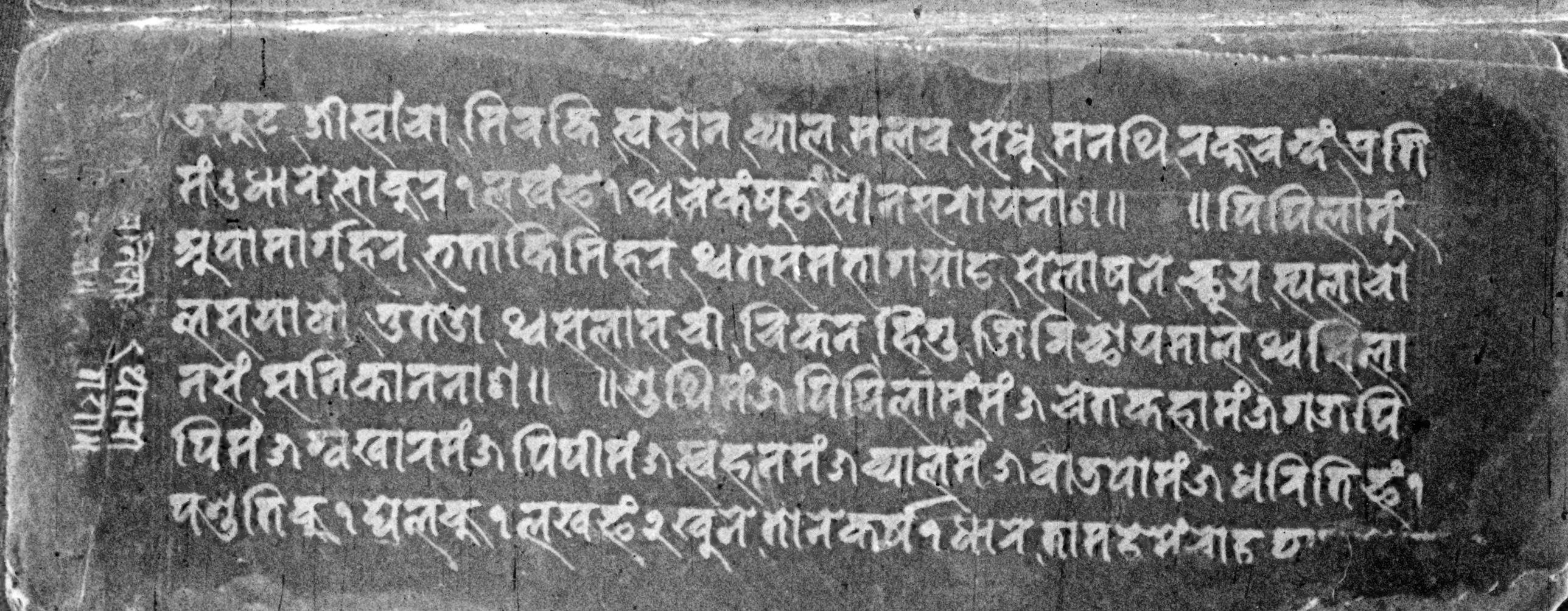

॥ ॥ॐ नमो वत्सिपमलि मूलगंधा गांधारी वल्लयं ॐ स्वाहा ताप
नाशयति॥ ॥ॐ नमो कुंचले प्रलंबले लम्बिनी ये मानवं रक्ष रक्ष तापना
स॥ ॥मानवीय सर्वशत्रुभ्यो मानवं रक्ष रक्ष तापनाश॥ ॥ॐ नमो भग
वं कुरु कुरु मुदंग खोखल लम्बिनी ये मानवं बालय तापनाल रक्ष
मानेल॥ ॥वेयावल मूखगन्धे पिल्ला उज्ज वासिलम्बिनी ये असलपलये
पिल्लालनाल॥ ॥मूखम वल्लनय वेलल मललास लक्ष्मणाय मूलिनाय
नमस्ते॥ ॥ॐ मूलगंधावदेवे मूलमलिवयायक्ष्मा॥ स्वाहा॥ ॥

लक्षणानुरागीत्यर्थः॥ ॥जीरकंपाठवयसा॥ लवणपिशुचतिक्षयंद
अंत्यस्य तारुपिकावधिमालिपाठः॥ कंचन पूर्वजन्मार्थं कालजं जवसमुद्
भवं यागी कामदत्ता॥ ॥संपूर्णविकलयोः सामर्थ्येनदृष्टावक्तानाः
जोयोस्थलः कालक्लानसूत्रमितः॥ संपूर्णस्यलितुलवलेलमेनां खलु खलन
डाजवालक्षिनक्षामीयू॥ ॥विषमज्वरक्षोभ॥ नियतकालकोपाकृपिः
तादयादिकामता॥ एंमोक्षिकलीनयस्य सन्निपातश्चयक्ति॥ यानजाते वि
यू, क्षिथकंडायू, पिलच्छन, जीवनजायू, एंप्रमत, नक्षअक्तजायू, यक्षसजा

॥ ॥ वाजंत्रा सनच लखनिसंगाड खलनाल॥ ॥ यात्र मिली साखचून
साठ पूवा किसिलासिरशमंगाड खलनाल॥ ॥ क्रखडजापू वाजंत्रा
लखनसिसंगाड खलनाल॥ ॥ जूदम इलानंरखाल मूक कडूक खुंवि
खासतरागजायकंगाड समरुखालनाल॥ ॥ इलानंरखुज्यु खुंवि मू
क खसतरागमसधन लखनसिंजायकं यासिलासरुमिलादयकं साठवा
खलनाल॥ ॥ इलानंर खोकन मूक खाइ खसतरागखरुमिलादायकं यासला
नरुमिलादयकंताल घिरुखाल॥ ॥ दिखान कडूक जूदम खाइ खोकन

लक्षित पलवालवृताऽऽकल्पीनवालवृताऽऽ यिनी सूत्री कृवऽ ध्यानतर्क
नकवाग्यांऽऽगुलिमस्तरु॥ ॥यिकऽ थाल मनथि थपि स्वात मस्कु पुट
वीज सूत्रियस मिलस सांस्त उकल थान बजियालरु पोज्या यिथि
लाम्बूल दाऽवि जिमूत्व थ्यातिर्१×मनपतुलिक१थपिलिक१पूक्लो
मैमनथ१रू१थ्रप्रव२थ्यायलभूत थ्रतनिया थ्यालाम सत्रांगिनीथ
लाभूनाविधि॥ ॥यिपीजा१पूक्लालमेऽकर्कटीयिऽगुन्याऽलजास्वाऽ
वजेगोऽकऽकलऽगुथिऽमिथिऽयिथिलासूऽवूमेऽगुथिऽनजाक्वाथ्यांजा

आस्थिमज्जालनाशः ॥ यावत्यया खण्डकल्पलयवत्तुलंवस्तिः क्षु
द्रथुडकासः श्वासस्यासीन् गडंकासवालसंगेडा थेडु थिकूणाधववचन
सथने चश्थिकूनाः ॥ कंकासकलगि कासस्थेडु थिकूनाः ॥ ॥ मूल
लवालकर्म१ खजिपालागीसंडु स्वासकृलंच थिरायेडु थूपर्तनसं कापल
सथस्यं श्वासिनानक सुथश्च कूलाडन थिकूनाः ॥ ॥ तिजिसं मिथी तुम्बा
न वीजनाथम जिना सुक लडीखावकूगलका श्वासस१ अन सोदगसेश्वा
सलसं२ कफीनवालन सं१ अने थिकूनाः ॥ ॥ रासियानसाडा कासस

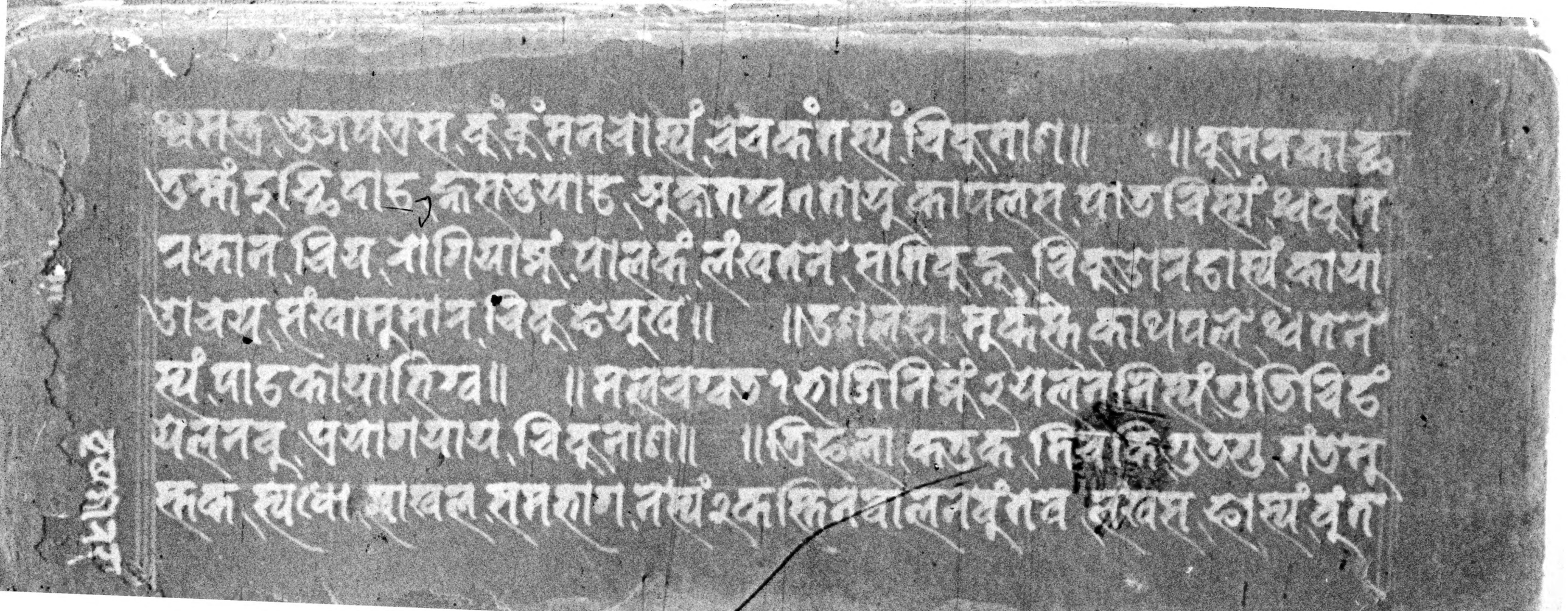

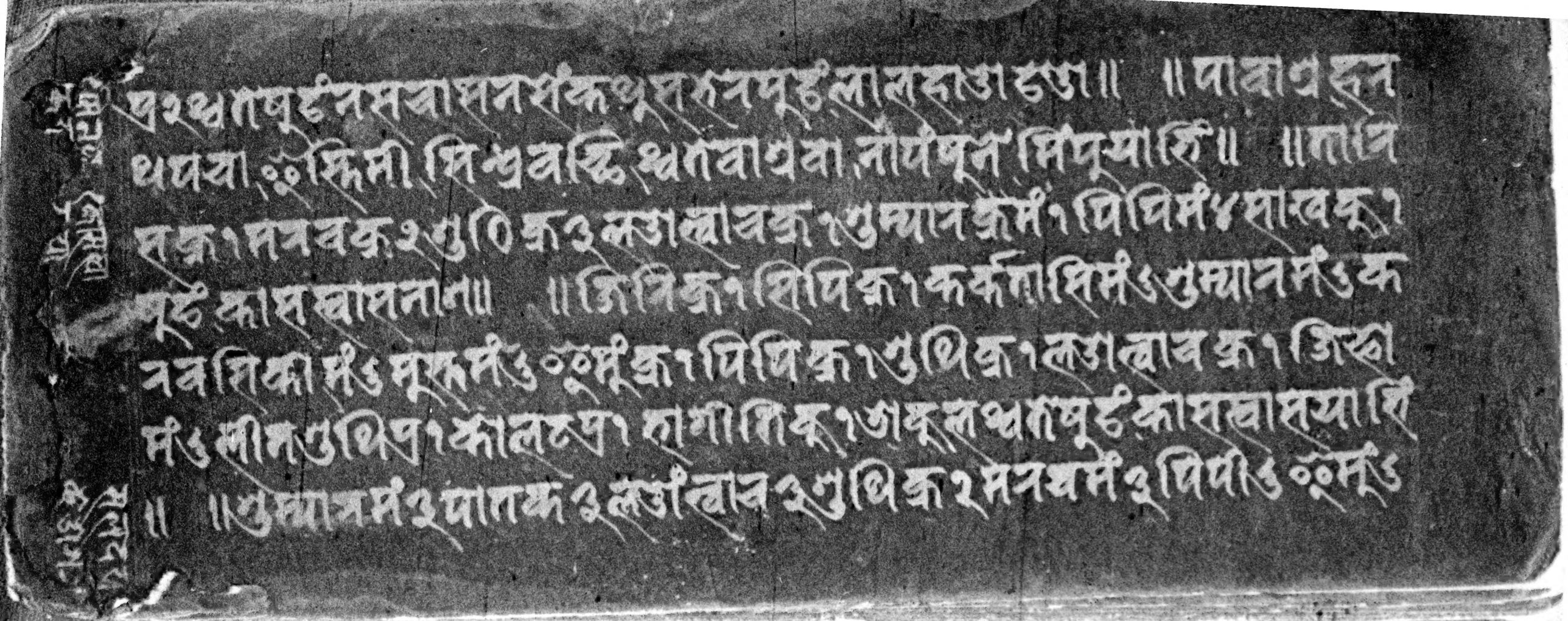

हउ॥ ॥ रत्नादिसियाणि सिसलाय रूमे थुकडिनाउ वलश्च ६ वा
यर्क श्च सानवली सागसि। पर्पितस वालविसे विलायमला वासदाय
के हालार्थ सागसिउान सागसिउाउा सूयकक्कुनान॥ ॥ यावोप्रकर्ष१
जायकनप१थुकलखतनि नाउा विकउा वलाउा निरायमला साउापा
सिश्नकडाउा थवकन प्रायसकक्कुसवा के के स गलउ रुमख॥ ॥ वापू
क्१ राजनसार थक्राकयाडाद जवेकन मलासागयाउा वर्ष१ राज
नस केपतनपूय सिइय सपूकायरुकं थवेकन कायाउा वासकक्कु

नया अतथ्यनंसा मनंसंस्या डाणा रंक्लाक्तावण पायथाय यगइनं यतया
डायानउ यथयथ्यदयू लउथाजूनमया॥ ॥थयाचिकित्सा॥ क्तोस्यम दि
युवाजवि यधू थया थयच्छडा ज्ञानकंवाउलनाडा॥ ॥मिमिस लथ
मिताशीस यलडचिकूमिच्यडाड मिलयुलनाडा॥ ॥ऊमेयू यानाशीस यल
यीन खासीडाड स्यन्नयुलनाडा॥ ॥जूमिक्रोक्त स्याड पाधू खोक स्यायू थ्यं
नस्यायक्तं जूमिघाटस जूमिनं जूमिक्रोसगस जूमिचिकास यगथयल
लूगलस्थाथ्यिडाणा रंदमयिसनपू पूस्वनियसियो॥ ॥थयाचिकित्सा॥ मल

ग्रन्थ काकलंबखारं ताढ नुगलसाकलना ॥ ॥ पिपी जी चूनयाढ थल
काल खासं ताढ नुगसयाकलना ॥ ॥ व ला यास कथिलिसि कंथगिवि पाषन ह
द कलास गुथि मलय नुस्क पिपी लिंग मूलसा खाले ग्रथु काकलखस खा
सं ताढ नुगसयाना ॥ ॥ खायसया दीपसा ग्रस्या खायसीरी ॥ ॥ व ला पिपिलो
सं थल कलकाल खासंतानकं नुगसयाना ॥ ॥ कलाकिंगवा ग्रथावालन नुग
सयाकस गुलस नाचिरेकसरि ॥ ॥ पिपी कलाथवा थेपि खनिवान बालन
कं नुगसयाना ॥ ॥ कालसाढ चूनयाढ ग्रलिमिलाग थढ ग्रलिमिला सचूनका

पूर्व जलाशय आनन्द थलन के नक्काश हाथीदांत मृगया कलाश॥ ॥बालक
पिंजिलाई दासदांत मृगयानान॥ ॥कछुवियाकन जर्द थलकस किंछुव
हाथीदांत मृगयानान॥ ॥कवजिव४ बाटयाठ मलयम४ यसमी४ खलमम
४पियोम४ यसवो मलयवा लखस खासे वाभ्यं थूकुक डिनाउ गंक जूथ
मी जाताबाथ वू मिलनपयकोउ लखउ दशसंडिनाउ लखनियाथडिव
जूथमी गाफूलउ खयउलियायनेनक यवाथिन थबाथ तउमलिनसेन
गयालाथ जूवपि कनस जूजीथ थकउ थयानामटक्यू दिभय॥ ॥

सिमि३ सिधि४ वसमार्च३ पिपिलामूं४ गाधिस३ ओप३ लखक१ सा२ रक्
१ कामून तखन तंउ गाय॥ ॥ गाधिस३ ओप लडो लडाखाव खखाश पू
वंदन हवा गिकउ विलिसिपू दवदामूकव आकरा पूक्लामूं सि
वकिशि सिखला दगिरा सिमि कूबीज ००खजाव कउक पिपिलामूं
सरू थाम२ क्षा में व्याचून क्र३ सा२ख२ श्रथाउं वागधिक मानुगाय ख
गतंउ सकिख गावगाव खगिलायसहि॥ ॥ उ गिक्र१ मवखसं४ गिधी३ गिधि
लामूं क्र१ लडाखाचमं३ लवलमं२ ००तमें३ हनमं३ वगाक लामं३ सिधस३ मू

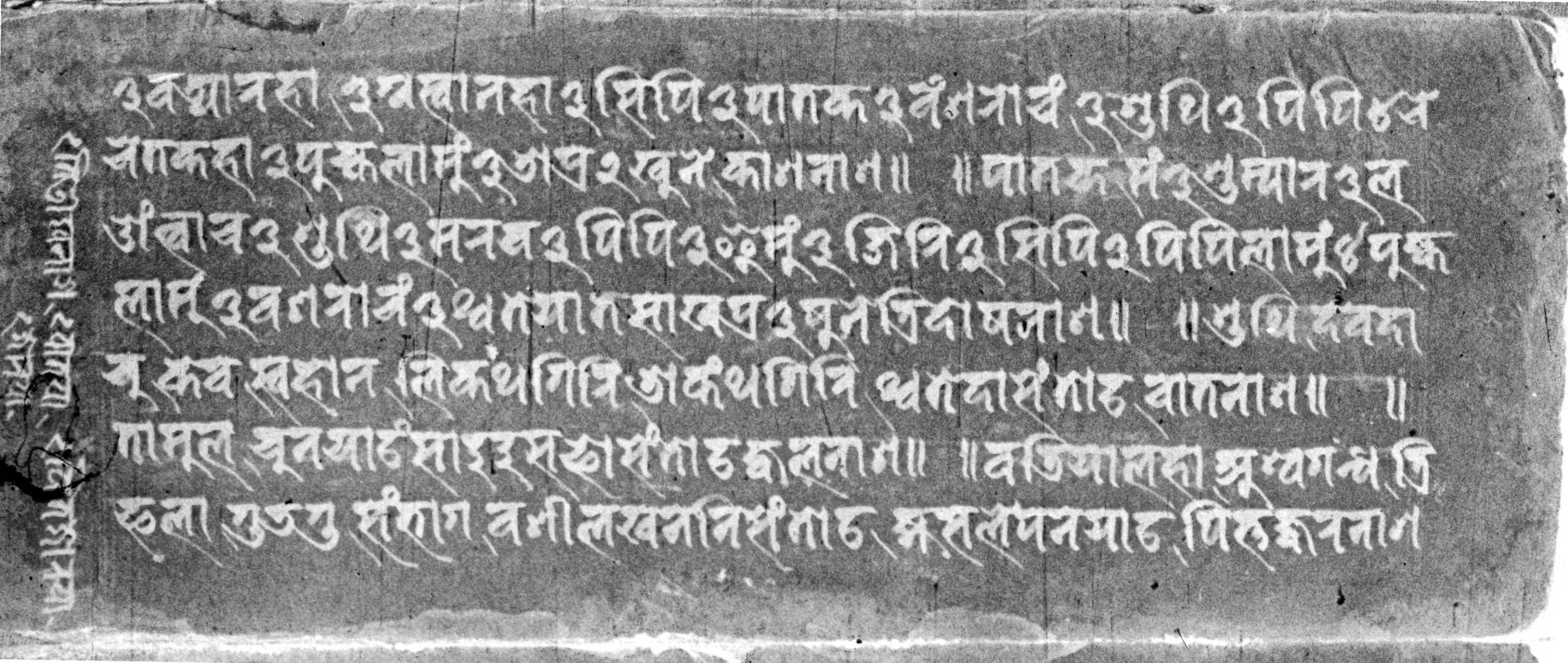

नत्यापलयू संनिधात अधिवात शोणवात वातसूत्र अधाताना ॐ ह्रूं यस
धरु मोत्या मिरवाया मुस्या नाम ॥ ॥ यलकुल लोक रुं२ साइ हूं२ थल
कुल१ वाय सिकरु पिपिलामूं आवाउ अजाता ॐ मूं सिलिपि गजपिपी
रिपु स्वायकुल वलयी स्यमू सरुपिपि यमपि सिमि पिपाक व यमरवा
न समरोग पुपिमं१ अनलवंडु धमजवावा जमराजा थूलकूय कलाजिगरा
जा ब्रूक सिय वातपित्त श्लेष्म गुल्म रुसनाम ॥ ॥ ॐ सिमीमं१ गुस्वोडमं१
सि० मं१ सिल्लाय मं१ मनूथिमं१ श्रीवतुमं१ अलवातमं१ गुडगातिजूरा२ ल

वर्छुया सामर्थहीनहस्यं सावनपाठन, वलक्वीलयाठन, उनडाओलक्षिनक्षा
ध्यिपू॥ ॥सामाइष्छिरवधस्य, अताावकातरथेवय, गुजलान्कि रवधस्य सा
पिसाध्मानसप४॥मिखाशितालि, धाताावहनाति, ह्यडगाल ह्वायावयन, गाक
जिगाल ध्वनागी साध्मख॥ ॥पालिपालीरवइक्क, दाघखल्पातास्मनाथ॥जि
क्वाकामलनाँथ्याति, सनागीनखिनस्याति॥ ७ला, लाला, ह्यू, गवागमइ, मसाव
चाय्यलायू, ध्वनागीमणीक॥ ॥निजासाल्यरवधस्य, णवीवैउकमीथ्या।८०
छियाछिजमलाति, मनाधिनखिनस्याति॥याक्षेदक्व।गठीव मखन मजिमम